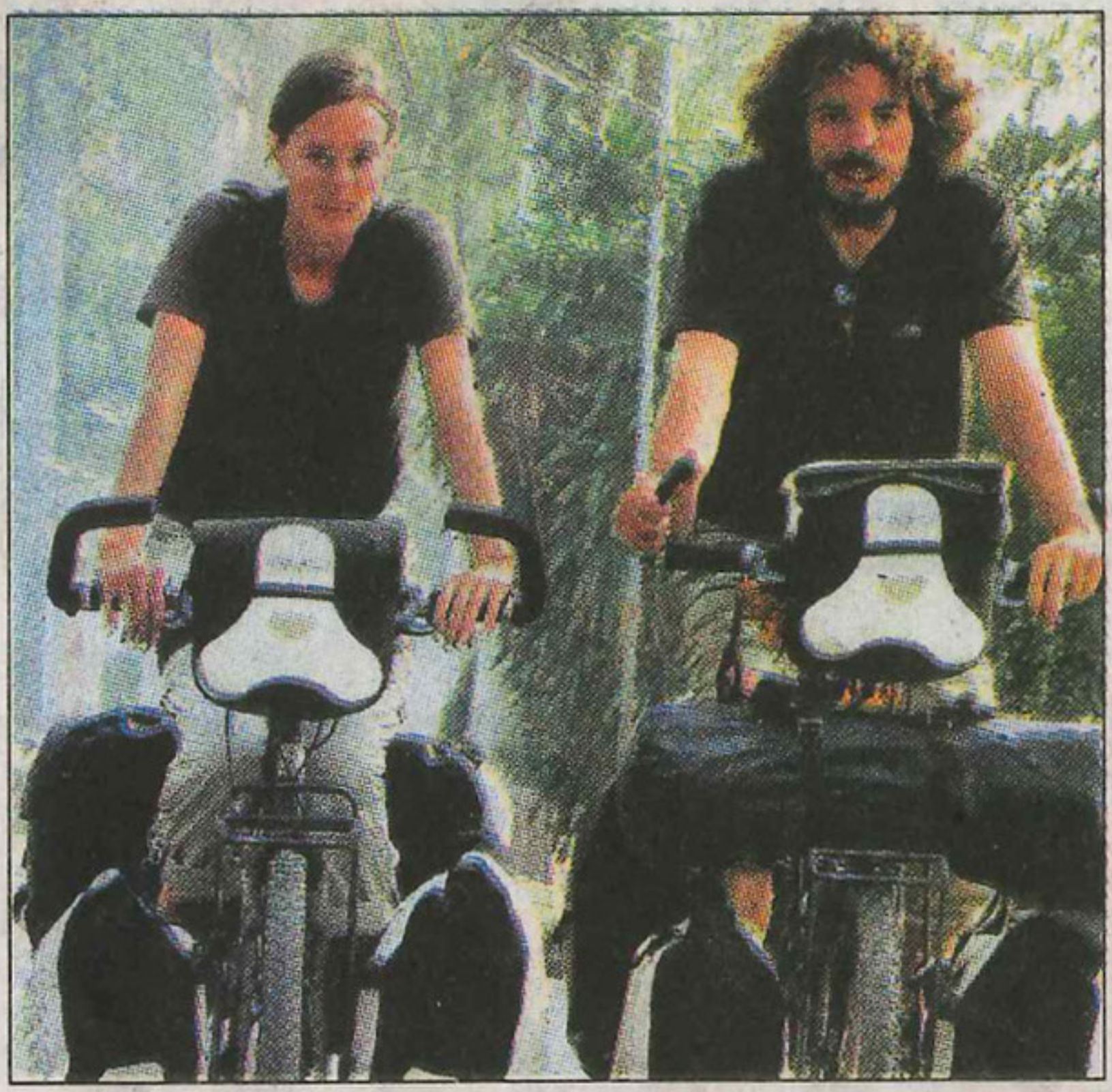

साइकिल से कई देशों की यात्रा करते बरेली पहुंचे स्विटरलैंड के फार्नो व ऐलीन

सफर सिखा रहा जीवन के रहस्य

बरेली | प्रमुख संवाददाता

जिंदगी का असली रोमांच सफर में ही नजर आता है। इतिहास, भूगोल और देश-देश जाकर उनकी संस्कृतियों को समझने की लालसा स्विटजरलैंड के ऑलीवियर फार्नो और उनकी साथी ऐलीन गिंग्वार्ड को बरेली खींच लाई है। इनमें एक टीचर हैं तो दूसरी ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट। अशिक्षा-आतंकवाद के खिलाफ जागृति का बीड़ा उठाकर चल रहा ये नौजवान जोड़ा साइकिल से अब 15 हजार किमी की यात्रा कर कर चुका है।

मंगलवार को बरेली पहुंचे ऐलीन और फार्नो ने सफर में सहेजकर रखीं यादों को हिन्दुस्तान के साथ बांटा। ऐलीन ने बताया कि 2010 में पढ़ाई पूरी करने के बाद वे अपना काम शुरू कर चुकी थीं। पेशे सै टीचर ऑलीवियर फार्नो का साथ मिला तो दोनों ने मिलकर एक नई दिशा में कदम आगे बढ़ाए। दुनिया को करीब से देखने की ठानी। इसके लिए पहले खूब काम करके पैसा इकट्ठे किए। अपनी-अपनी साइकिल को थामा और निकल पड़े दुनिया की सैर पर। उंनका पहला पड़ाव पड़ोसी देश इटली रहा। फिर क्रोशिया, ग्रीश, ईरान, ओमान और अब इंडिया। दिसंबर 2012 में मुंबई पहुंचे थे तो वहां आतंकी हमले का शिकार हुए ताज होटल को देखा। यूपी में आए तो आगरा के बाद बरेली आ गए। यहां रुकने को उन्होंने अफसरों से मदद मांगी तो एक सरकारी गेस्ट हाउस मिल गया। वह भारत में मेथोडिज्म की स्थापना करने वाले विलियम बटलर की कैंट स्थित कब्र देखेंगे। बरेली का मांझा, जरी-जरदोजी, बेंत की कारीगरी भी देखना नहीं भूलेंगे।

यात्रा

- साइकिल से दुनिया नाप रहे स्विटजरलैंड के फार्नो-ऐलीन
- 15 हजार किमी की यात्रा कर बरेली आ पहुंचा है ये जोड़ा